वार्षिक रिपोर्ट(2020-21): हिंदी एवं हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग

हिंदी एवं हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग ने सत्र 2020-21 में अनेक गतिविधियों का आयोजन किया। विभाग ने हर वर्ष की तरह अपने नए सत्र का आग़ाज़ एक काव्य गोष्ठी के साथ किया, लेकिन इस बार Covi d-19 के कारण वर्चुअल काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। काव्य गोष्ठी का आयोजन 12 सितम्बर शनिवार सायं 4 बजे से 5.30 बजे तक किया गया। काव्य गोष्ठी में राम लाल आनंद महाविद्यालय के अतिरिक्त दिल्ली विश्वविद्यालय के लगभग 15 अन्य कॉलेजों के कुल 46 विद्यार्थियों ने भी भाग लिया जिसमें दिल्ली स्कूल ऑफ़ जर्नलिज्म, कालिंदी कॉलेज, देशबंधु कॉलेज , मोती लाल नेहरू कॉलेज व वेंकटेश्वरा कॉलेज के विद्यार्थी प्रमुख थे। काव्य गोष्ठी का शुभारम्भ हिंदी पत्रकारिता विभाग के समन्वयक और एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. राकेश कुमार ने अपने स्वागत भाषण से किया। काव्य गोष्ठी में युवा कवियों ने प्रेम, भ्रष्टाचार, प्रकृति, रिश्तें और कई अन्य सामयिक विषयों पर न केवल मनमोहक प्रस्तुति दी बल्कि वर्चुअल प्लेटफार्म पर भी शानदार शमां बांध दिया। काव्य गोष्ठी का संचालन डॉ. प्रदीप कुमार ने किया। वहीं गोष्ठी का सफल मंच संचालन बीजेएमसी द्वितीय वर्ष की छात्रा चेतना काला ने किया। गोष्ठी के अंत में सभी प्रतिभागियों को ई- सर्टिफिकेट भी प्रदान किया गया। इस अवसर पर डॉ. अटल तिवारी, डॉ. सीमा झा, डॉ. निशा सिंह और श्वेता आर्य व हिंदी और पत्रकारिता विभाग के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

23 सितम्बर 2020 को हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग ने एक दिवसीय वेबिनार का आयोजन किया जिसमें हरियाणा सरकार के जनसम्पर्क एवं भाषा विभाग के उपनिदेशक नीरज कुमार ने बतौर मुख्य वक्ता शिरकत की। वेबिनार का संयोजन हिंदी पत्रकारिता विभाग के संयोजक और एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. राकेश कुमार ने किया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता नीरज कुमार ने वर्तमान समय में हिंदी की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए कहा की कोरोना के कारण जिंदगी बहुत तेजी से बदली है। बदलती परिस्थितियों के कारण भाषा ने हमें सांस्कृतिक, राजनैतिक और सामाजिक हर रूप में जोड़ने का काम किया है। भाषा वो कड़ी है जिससे सामाजिक ताना बाना मजबूत रहता है। भारत जैसा शायद ही कोई देश होगा जो भाषाई विविधता में हमारे देश की बराबरी कर सके। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में सोशल मीडिया ने हिंदी भाषा के प्रचार प्रसार को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वहीं वेबिनार के प्रथम सत्र में डॉ. राकेश कुमार ने हिंदी को आजादी की लड़ाई से जोड़ते हुए बताया की आजादी से पहले पत्रकारिता अपने शिखर पर थी। भारत को आज़ाद कराने में हिंदी की भूमिका बहुत अहम् रही है। साथ ही उन्होंने बताया जिन देशों ने अपनी भाषा को अपनाया उन्होंने खूब तरक्की की चाहे वो देश चीन हो या जर्मनी। वेबिनार के अंत में हिंदी विभाग के प्रभारी डॉ. सुभाष चंद्र डबास ने धन्यवाद ज्ञापन कर संगोष्ठी का समापन किया। इस वेबिनार में डॉ. नीलम ऋषिकल्प, डॉ. अर्चना शर्मा, डॉ. प्रदीप कुमार, डॉ. अटल तिवारी व अन्य शिक्षकों के अतिरिक्त हिंदी और पत्रकारिता विभाग के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

दिनांक 29 दिसंबर 2020 को हिंदी पत्रकारिता विभाग द्वारा 'फेक न्यूज़ और सूचना विकार' विषय पर एक दिवसीय वर्कशॉप का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य वक्ता के तौर पर मीडिया शिक्षक और फैक्टशाला ट्रेनर डॉ. गीतिका वशिष्ठ मौजूद रहीं। इस वर्कशॉप में हिंदी पत्रकारिता विभाग के अलावा कॉलेज के अन्य विभागों के विद्यार्थियों ने भी भाग लिया। मुख्य वक्ता डॉ. गीतिका वशिष्ठ ने फेक न्यूज़ पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज डिजिटल मीडिया में फेक न्यूज़ की भरमार है जिसके कारण लोकतंत्र के चौथे स्तंभ की विश्वसनीयता खतरे में दिखाई दे रही है। आज ख़बरें जितने तीव्र गति से हर किसी के मोबाइल में पहुँच जाती है उतनी ही तीव्र गति से आज लोगों के मोबाइल में कई फेक न्यूज़ भी फैलाए जा रहे हैं। फेक न्यूज आज की न्यू मीडिया के लिए अभिशाप है। वर्कशॉप के दौरान उन्होंने पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से विभिन्न सॉफ्टवेयर्स का प्रयोग करते हुए फेक न्यूज़ से कैसे बचा जा सकता है इसके बारे में विस्तारपूर्वक बताया। इस वर्कशॉप में विभाग के समन्वयक डॉ. राकेश कुमार, डॉ. अटल तिवारी, डॉ. प्रदीप कुमार, डॉ. सीमा भारती झा, डॉ. निशा सिंह और श्वेता आर्य विशेष तौर पर मौजूद रहें।

20 जनवरी से 21 फरवरी 2021 तक हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग ने मीडिया प्रोडक्शन के लिए एडिटिंग सॉफ्टवेयर सर्टिफिकेट कोर्स का आयोजन किया गया, जिसमें क्वार्क एक्सप्रेस, कोरल ड्रा, एडोब प्रो, एडोब ऑडिशन और फोटोशॉप जैसे मीडिया इंडस्ट्री में सर्वाधिक प्रयोग किये जाने सॉफ्टवेयर सिखाये गए। एक माह की अवधि के इस सर्टिफिकेट कोर्स में कुल 63 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया जिसमें राम लाल आनंद महाविद्यालय के अलावा दिल्ली विश्वविद्यालय के 10 अन्य कॉलेजों के भी विद्यार्थी शामिल रहे। इस सर्टिफिकेट कोर्स में डॉ. अटल तिवारी, संदीप कुमार, आसमा बानो और दीपक कुमार त्रिवेदी ट्रेनर की भूमिका में रहे। कोर्स की शुरुआत में हिंदी पत्रकारिता विभाग के समन्वयक डॉ. राकेश कुमार ने सभी ट्रेनर्स का परिचय दिया और वर्तमान समय में मीडिया इंडस्ट्री में एडिटिंग सॉफ्टवेयर की बढ़ती आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज मल्टीटास्किंग के दौर में विद्यार्थियों को मीडिया इंडस्ट्री में नौकरी पाने के लिए रिपोर्टिंग के अलावा तकनीकी रूप से सक्षम होना चाहिए। उन्होंने कहा इस सर्टिफिकेट कोर्स का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को तकनीकी रूप से सक्षम बनाना है जिससे भविष्य में उनको रोजगार के बेहतर अवसर प्राप्त हो सके।

इस सर्टिफिकेट कोर्स के दौरान विद्यार्थियों को समाचार पत्र के निर्माण की बारीकियों, न्यूज़ पैकेज निर्माण, शॉट टू-शॉट एडिटिंग,रिकॉर्डिंग एवं सम्पादन,ध्वनि परिप्रेक्ष्य-एनॉलाग व डिजीटल ध्वनि, मोनो स्टीरियो तथा साउंड की अवधारणा, लीनियर नॉन लीनियर ऑडियो सम्पादन, मिक्सिंग और डबिंग तकनीक साउंड एडिटिंग, वीडियो में ट्रांसफॉरमेशन, फ्रेम एडिटिंग, ऑडियो मिक्सिंग वीडियो प्रोडक्शन:प्री प्रोडक्शन,प्रोडक्शन,पोस्ट प्रोड्क्शन, वीडियो सम्पादन और कोरल ड्रॉ से जुड़े सभी इफेक्ट, टूल्स और

ट्रांसफॉर्मेशन का परिचय कराया गया। हर कक्षा के समापन से पहले प्रश्न सत्र के दौरान विद्यार्थियों ने अपने डाउट क्लियर किए।

हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग ने 8 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में अंतर्महाविद्यालय फोटो प्रतियोगिता और वर्चुअल काव्य गोष्ठी का आयोजन किया। मोलिटिक्स वेब पोर्टल के सयुंक्त तत्वावधान में आयोजित फोटो प्रतियोगिता में दिल्ली विश्वविद्यालय के 17 कॉलेजों के विद्यार्थियों ने भाग लिया। फोटो प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल की भूमिका मोलिटिक्स वेब पोर्टल के क्रिएटिव एडिटर इरशाद अली ने निभाई। विजेता विद्यार्थियों को प्रमाण-पत्र के अतिरिक्त नकद प्रोत्साहन राशि भी दी गई। वहीं काव्य गोष्ठी की शुरुआत में हिंदी पत्रकारिता विभाग के समन्वयक डॉ. राकेश कुमार ने महिला दिवस की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए कहा की आज के समय में महिलायें किसी भी क्षेत्र में पुरुषों से पीछे नहीं है। वर्तमान समय में महिलाओं के बिना समाज की कल्पना नहीं की जा सकती है। उन्होंने कहा अपने सम्मान के लिए महिलाओं को निरंतर अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने की भी आवश्यकता है। काव्य गोष्ठी में राम लाल आनंद महाविद्यालय के अतिरिक्त दिल्ली विश्वविद्यालय के लगभग 22 कॉलेजों के 55 विद्यार्थियों ने भाग लिया जिसमें कालिंदी कॉलेज, सत्यवती कॉलेज, दिल्ली स्कूल ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स, हिंदू कॉलेज, इंस्टीट्यूट आफ होम इकोनॉमिक्स, महाराजा अग्रसेन कॉलेज, देशबंधु कॉलेज, स्वामी श्रद्धानंद कॉलेज, मोतीलाल नेहरू कॉलेज, कमला नेहरू कॉलेज, श्री अरबिंदो कॉलेज, राजधानी कॉलेज, शिवाजी कॉलेज, गार्गी कॉलेज, दयाल सिंह कॉलेज, भारती कॉलेज, रामजस कॉलेज और रामानुजन कॉलेज के विद्यार्थी प्रमुख रहे। अपनी कविताओं से युवा कवियों ने न केवल महिलाओं के प्रति सम्मान प्रकट लिया अपितु उन्होंने वर्तमान समय में नारी के अस्तित्व की सार्थकता भी सिद्ध की। काव्य गोष्ठी का संचालन डॉ. प्रदीप कुमार ने किया। वहीँ गूगल मीट पर वर्चुअल आयोजित इस काव्य गोष्ठी में मंच संचालन प्रथम वर्ष की छात्रा रक्षा रावत और समीरा ने किया। इस अवसर पर डॉ. अटल तिवारी, डॉ. सीमा झा, डॉ. निशा सिंह और श्वेता आर्य व हिंदी और पत्रकारिता विभाग के विद्यार्थी उपस्थित रहे।